**(बाक्स का उपयोग वर्चुअल लोक अदालत के लिये टिक किया जावे)**

| H.J.S. Bench-1 Link -1 | H.J.S. Bench-2 Link -2 | H.J.S. Bench-3 Link -3 | L.J.S. Bench-4 Link -4 | L.J.S. Bench-5 Link -5 | L.J.S. Bench-6 Link -6 |
|---|---|---|---|---|---|

# हाईब्रीड लोक अदालत (Virtual/Physical Mode) (अनुपयुक्त को कांट देवें)

न्यायालयः—न्यायिक दण्डाधिकारी ..............................................................................................(छ.ग.)

.......................................................................

....................................................................... **राज्य/प्रतिवादी**

विरूद्ध

.......................................................................

....................................................................... **अभियुक्त/अभियुक्तगण**

**आपराधिक प्रकरण कमांक ............................................**

**—: शमनीय अपराध के शमन हेतु आवेदन :—**

यह कि इस प्रकरण में अभियोगी तथा अभियुक्त एक ही गांव के हैं। अतः उन्होंने शांति एवं सद्भावनापूर्वक मेलजोल बनाए रखने के लिए इस प्रकरण में राजी—खुशी से समझौता कर लिया है तथा अभियुक्त पर लगाया गया आरोप न्यायालय की बिना अनुमति से आवेदन द्वारा शमन होने योग्य हैं। आवेदकगण समझौता करने में सक्षम है तथा दोनों पक्षो में स्वेच्छा से अपराध को शमित करने का निश्चय किया है। पक्षकारगण विशेष हाईब्रीड लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा किये जाने हेतु सहमत हैं।

अतः निवेदन है कि उभयपक्ष के बीच इस प्रकरण में समझौता हो जाने के कारण अब इस प्रकरण में अपराध को शमित कर अभियुक्त/अभियुक्तगण को दोषमुक्त किया जावे।

प्रार्थी/प्रार्थिया का मोबाईल नं0..................................................................................................
प्रार्थी/प्रार्थिया के अधिवक्ता का मोबाईल नं0 एवं ई—मेल आईडी .......................................
आरोपी का मोबाईल नं0..................................................................................................
आरोपी के अधिवक्ता का मोबाईल नं0 एवं ई—मेल आईडी ................................................

**// आदेश //**

**(लोक अदालत खण्डपीठ द्वारा पारित अवार्ड/आदेश)**

**हस्ताक्षर सदस्यगण :—** **हस्ताक्षर—**

**सदस्य कमांक—1..............................** **(पीठासीन अधिकारी)**

**सदस्य कमांक 2.........................**

**आवेदक/परिवादी के अधि0 के हस्ता0**

**आवेदक/परिवादी के हस्ता0**

**अभियुक्त के अधि0 के हस्ता0**

**अभियुक्त के हस्ताक्षर**

(बाक्स का उपयोग वर्चुअल लोक अदालत के लिये टिक किया जावे)

| H.J.S. Bench-1 Link -1 | H.J.S. Bench-2 Link -2 | H.J.S. Bench-3 Link -3 | L.J.S. Bench-4 Link -4 | L.J.S. Bench-5 Link -5 | L.J.S. Bench-6 Link -6 |
|---|---|---|---|---|---|

# हाईब्रीड लोक अदालत (Virtual/Physical Mode) (अनुपयुक्त को कांट देवें)

न्यायालयः न्यायिक दण्डाधिकारी.....(छ.ग.)

.....

.....

राज्य/परिवादी

// विरूद्ध //

.....

.....

अभियुक्त

आवेदक/ परिवादी के अधि0 के हस्ता0

आवेदक/ परिवादी के हस्ता0

अभियुक्त के अधि0 के हस्ता0

अभियुक्त के हस्ताक्षर

## धारा 320 (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत अपराध के शमन की अनुमति हेतु आवेदन

उपर्युक्त परिवादी निम्नानुसार आवेदन करता है कि :–

1/ यह कि इस प्रकरण के अभियुक्त/गण से अपने संबंध मधुर बनाये रखने के लिए इस दाण्डिक प्रकरण में अपराध का शमन करना चाहता है।

2/ आज लोक अदालत के सुलहकर्ताओं ने उभय पक्षकारों को सुनकर दोनों पक्षों के बीच भविष्य में अच्छे सबंध ा पुनः स्थापित किये जाने हेतु अपराध का शमन करने की सलाह दी है, जिससे उभय पक्षकार सहमत हो चुके है। बिना किसी दबाव के पक्षकारों के बीच कोई द्वेष या मनमुटाव नहीं रह गया है।

3/ यह कि हम पक्षकारगण विशेष हाई ब्रीड लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा किये जाने हेतु सहमत हैं।

चूंकि अपराधों में न्यायालय की अनुमति बिना अपराध का शमन नहीं हो सकता है। अतः प्रार्थना है कि उपर्युक्त परिस्थितियों में इस दाण्डिक प्रकरण में अपराध के शमन की अनुमति पक्षकारों को प्रदान की जावे।

प्रार्थी/प्रार्थिया का मोबाईल नं0.....
प्रार्थी/प्रार्थिया के अधिवक्ता का मोबाईल नं0 एवं ई–मेल आईडी .....
आरोपी का मोबाईल नं0.....
आरोपी के अधिवक्ता का मोबाईल नं0 एवं ई–मेल आईडी .....

## // अवार्ड //

(लोक अदालत खण्डपीठ द्वारा पारित अवार्ड)

हस्ताक्षर सदस्यगण :–

सदस्य कमांक–1.....

सदस्य कमांक 2.....

हस्ताक्षर–

(पीठासीन अधिकारी)